अपील
नेतरहाट विद्यालय में नामांकन सम्बन्धी

प्रिय झारखण्ड वासियोंः

सन् 1954 में अविभाजित बिहार राज्य सरकार द्वारा नेतरहाट पठार पर स्थापित एवं 15 नवम्बर 2000 के पश्चात् झारखण्ड राज्य सरकार द्वारा पोषित व संचालित नेतरहाट विद्यालय के कई पूर्ववर्ती छात्र राज्य एवं राष्ट्र में ही नहीं अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कीर्ति पताका लहरा रहे हैं तथा राज्य व राष्ट्र में कई शीर्ष पदों पर कार्य कर चुके हैं। उन्होंने अपने जीवन में इस विद्यालय के योगदान को सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्वीकार किया है।

झारखण्ड सरकार ने नेतरहाट विद्यालय स्वायतशासी संस्था के निबंधन की स्वीकृति देने के पश्चात् नेतरहाट विद्यालय के सम्पूर्ण प्रशासन, संचालन व प्रगति का उत्तरदायित्व नियमावली के तहत जिस नेतरहाट विद्यालय समिति की सामान्य निकाय (जिसकी अध्यक्ष राज्य की शिक्षा मन्त्री के रूप में मैं हूँ) और कार्यकारिणी समिति (जिसके पदेन पूर्ववर्ती छात्र के रूप में सभापति सम्प्रति, शिक्षाविद्, कई विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति व प्रथम बैच के डा. कृष्ण कुमार नाग हैं) को सौंपा गया है, उनमें नोबा (नेतरहाट ओल्ड बोयज एसोसियेशन) सदस्यों की संख्या बहुतायत में है।

इस विद्यालय में झारखण्ड राज्य के निवासी तथा अध्ययनरत 10 से 12 वर्ष के स्वस्थ बालकों का सत्र 2017-18 में 6ठीं कक्षा में नामांकन हेतु प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा के लिए आवेदन सम्बन्धी विज्ञापन राज्य के अखबारों में 17-19 अगस्त 2017 को निकाले जा चुके हैं। इन्हें नेतरहाट विद्यालय के वेबसाइट www.netarhatvidyalay.com से डाउनलोड कर अथवा राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों के कार्यालय से या सचिवालय कैम्पस अवस्थित समिति कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त कर या अखबार में छपे विज्ञापन से आवेदन प्रपत्र बनाकर **दिनांक 23 सितम्बर 2017** तक निर्धारित शुल्क (सामान्य व पिछड़ी जाति को 100/-रु तथा अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति को 50/-रु के पोस्टल आर्डर के साथ) सम्बन्धित जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। प्रारम्भिक परीक्षा सम्बन्धित जिला शिक्षा पदाधिकारी की देख-रेख में दिनांक 22.10.2017 को तथा मुख्य परीक्षा सम्बन्धित प्रमंडल मुख्यालय में दिनांक 3.12.2017 को आयोजित होगी।

बालकों को जाति-पाँति, निर्धन-धनी, ऊँच-नीच इत्यादि के भेद-भाव से पूर्णतः रहित भारतीय संस्कृति की मूल आश्रम-आधारित, प्राकृतिक जंगल किन्तु आधुनिकतम सुविधाओं से परिपूर्ण परिवेश में जीवन परिचर्या, प्रातः 5.30 से सायं 9.30 तक विद्वान शिक्षकों और उनकी धर्मपत्नी आश्रम माता के सान्निध्य और संरक्षण में पी.टी., स्वाध्याय, जलपान-भोजन, नियमित कक्षाएं, तरह-तरह के खेल-कूद, संगीत-कला, मौन-वेला, जीवन कौशल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अवसर तो प्राप्त होते ही हैं, उन्हें आधुनिकतम टेक्नोलाजी के माध्यम से ज्ञान प्राप्त होने का समान अवसर भी दिया जाता है। इस विद्यालय के रिजल्ट की गौरव गाथा तो है ही, प्राचीन भारतीय परम्परा और आधुनिकतम ज्ञान के अनोखे मेल से विद्वान शिक्षकों की छत्रछाया में स्वावलम्बी, नेक और अच्छे इन्सान व योग्य और सुखी, सफल व्यक्ति बनने की दिशा में प्रवृत होने के लिए अपने होनहार, मेधावी प्यारे बालकों को उचित अवसर प्रदान करने हेतु आप सभी झारखण्ड वासियों से मेरी विनम्र अपील है कि इस प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आप आवेदन दिलाएं।

Yadav 4.9.17

(डा. नीरा यादव)
मन्त्री, मानव संसाधन विकास विभाग
झारखण्ड सरकार